

Word Recycling Day

16 March 2022



The poster is for a webinar titled "WORLD RECYCLING DAY" organized by "THE GREEN ENVIRONMENT CLUB" under the "DEPARTMENT OF APPLIED SCIENCES". It features two main speakers: "MS. MADHUBALA SHARMA" from "BISLERI INTERNATIONAL PVT LTD" and "MR. ASHISH JAIN" from "INDIAN POLLUTION CONTROL ASSOCIATION (IPCA)". The event is scheduled for "16 March 2022" from "1:00pm - 2:00 pm" on the "ZOOM" platform. A list of "PATRONS" includes Shri Suneel Galgotia (Chairman, Galgotias Educational Institutions), Shri Dhruv Galgotia (CEO, Galgotias Educational Institutions), and Dr. Brijesh Singh (DIRECTOR, GCET). At the bottom, a row of six circular portraits identifies other participants: Ms. Pratiksha Bhatia (ASSISTANT PROFESSOR), Dr. Anuradha Saha (ASSISTANT PROFESSOR), Dr. Bipin K. Srivastava (ASSOCIATE PROFESSOR), Dr. Indu Tyagi (ASSOCIATE PROFESSOR), Dr. Manu Kashyap (ASSOCIATE PROFESSOR), and Dr. Rajesh Tripathi (PROFESSOR, HODAS & 100 YEAR COORDINATOR).

Ms. Madhubala Sharma is from Bisleri International PVT LTD and Mr. Ashish Jain is founder and owner of Indian Pollution Control Association(IPCA).



Report

“Importance of Recycling”

On 16th March 2022, Department of Applied Sciences, Galgotias College Of Engineering And Technology organised a webinar on “World Recycling Day” under the guidance of Dr. Brijesh Singh, Director of GCET, Dr. Rajesh Tripathi, HOD of Applied sciences, Dr.Bipin Kumar Srivastava as the Organiser, Dr.Manju Kashyap, Dr.Indu Tyagi, Dr.Anuradha Saha, Ms. Pratiksha Bhatia as the Associate Professors. The guest speakers were Ms. Madhubala Sharma and Mr. Ashish Jain. Ms. Sharma is from Bisleri International PVT LTD and Mr.Ashish Jain is founder and owner of Indian Pollution Control Association (IPCA).

The inauguration program began with the invocation of the goddess Maa Saraswati and virtual lighting of the lamp. The welcome address was given by the volunteers. The Program coordinator officially welcomed the speakers, participants and the dignitaries.

The guest speaker Ms. Sharma began the session by showing some slides on Waste Management. We are extracting material everyday.25,000 ton of plastic is being produced every day. This is our own responsibility to segregate waste so that it can be send for the recycling and not merely dumped. We’re using water every day for various purposes but we don’t think about restoring techniques. Being a human it is our main concern to give waste for recycling like we can even give glass, cup, and paper. So that we are less dependent on raw materials. The main focus is to make the college attending students understand about all this as they’re the future of our nation. Using power point presentations it was shown that it is perceived, by 2050 there will be more plastic in the oceans than fishes. We should stop throwing recyclable waste in the water and start recycling it. For

example like 2gm of plastic packaging on cucumber extends its shelf life by 11 days. It is found that 80% of the littering is natural and it may be astonishing that we humans may need to switch to other planets in order to live as no one will want to live around such waste.

The solution was depicted by Mr. Jain. He suggested to go for recycling by segregating the wastes and the team from Bisleri International Ltd. will come to collect them from your doorstep. If we don't do this then we're somehow reducing the age of waste collector from average age of 66 to 48 as they will be the ones to go and search for plastics into those big pile of wastes. So that they can get clean plastics and will be able to earn more.

This will also reduce the demand of natural resources. Life will become more sustainable, we will see kempt environment with less littering. At last he suggested the audiences to perform only two things: First to segregate the waste and second to not to litter around as it is almost equal to crime.

The webinar moved further with the question hour session. After Question and Answer session, the webinar ended with a vote of thanks given to the guest speakers for giving their valuable time to the Institute. The volunteers were Kartikey Pratap Singh, Anshika Nigam, Eshita Singh, Abhishek Pandey and Anuj Pratap Singh.

पुनर्चक्रण के महत्व" पर वेबिनार का आयोजन

जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ग्रेटर नोएडा के एप्लाइड साइंस विभाग ने कॉलेज के निदेशक डॉ० बुजेश सिंह और एप्लाइड साइंस के एचओडी डॉ० राजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में "विश्व पुनर्चक्रण" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में वक्ता के रूप में भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ के संस्थापक आशीष जैन और बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की मधुबाला शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम समन्वयक डॉ० बिपिन कुमार श्रीवास्तव ने वक्ताओं, प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए वेबिनार की रूप रेखा बताई। मधुबाला शर्मा ने अपशिष्ट प्रबंधन विवरण और "पुनर्चक्रण के महत्व" पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में प्रतिदिन 25,000 टन प्लास्टिक का उत्पादन किया जा रहा है। जिससे प्लास्टिक प्रदूषण की एक गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कचरे को केवल ढंप ही नहीं करें बल्कि उसे अलग अलग करके पुनर्चक्रण के लिए



भेजें। मानव होने के नाते हमें पानी, प्लास्टिक, कचरा और कालज का सद उपयोग करना चाहिए। इसमें छात्रों को जिम्मेदारी और अधिक है क्योंकि ये हमारे देश का भविष्य है। कार्यक्रम में एक विडिओ के द्वारा दिखाया गया कि 2050 तक महासागरों में जलीय जीवों की तुलना में प्लास्टिक अधिक होगा। आशीष जैन ने कहा कि आप अपने कचरे को अलग अलग करके रखें और हमें सुचना दे बिसलेरी इंटरनेशनल लिमिटेड की टीम आपके दरवाजे से उन्हें इकठ्ठा करने आएगी और रीसाइक्लिंग करेगी।

इससे प्राकृतिक संसाधनों की मांग भी कम हो जाएगी और जीवन अधिक स्वच्छ हो जाएगा और वातावरण कम कूड़े वाला होगा। अंत में उन्होंने छात्रों को दो चीजें करने का सुझाव दिया कचरे को अलग करना और आसपास में कूड़े को ना फैलाना। इस वेबिनार के आयोजन में डॉ० मंजु कश्यप, डॉ० इंदु त्यागी और डॉ० अनुराध साह ने महत्पूर्ण भूमिका निभाई। एसोसिएट प्रोफेसर प्रवीण भाटिया ने कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस दौरान स्वयंसेवकों में कार्तिक प्रताप सिंह, अशिका निगम, इशिता सिंह, अभिषेक पांडे और अनुज प्रताप सिंह मौजूद रहे।

लोक शक्ति एक्सप्रेस

गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित

वर्ष-6, अंक-76, पृष्ठ-4, गुरुवार, 24 मार्च, 2022, मूल्य 2.50 ₹ RNI NO - UPHIN/2016/68428 नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, पुराठाबाद, हापुड़, बुलन्दशहर, अलीगढ़ में प्रकाशित

लोक शक्ति एक्सप्रेस (संवाददाता) ग्रेटर नोएडा। गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ग्रेटर नोएडा के एप्लाइड साइंस विभाग ने कॉलेज के निदेशक डॉ० बुजेश सिंह और एप्लाइड साइंस के एचओडी डॉ० राजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में "विश्व पुनर्चक्रण" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में वक्ता के रूप में भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ के संस्थापक आशीष जैन और बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की मधुबाला शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम समन्वयक डॉ० बिपिन कुमार श्रीवास्तव ने वक्ताओं, प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए वेबिनार की रूप रेखा बताई। मधुबाला शर्मा ने अपशिष्ट प्रबंधन विवरण और "पुनर्चक्रण के महत्व" पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में प्रतिदिन 25,000 टन प्लास्टिक का उत्पादन किया जा रहा है। जिससे प्लास्टिक प्रदूषण की एक गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कचरे को केवल ढंप ही नहीं करें बल्कि उसे अलग अलग करके पुनर्चक्रण के लिए भेजें। मानव



होने के नाते हमें पानी, प्लास्टिक, कचरा और कालज का सद उपयोग करना चाहिए। इसमें छात्रों को जिम्मेदारी और अधिक है क्योंकि ये हमारे देश का भविष्य है। कार्यक्रम में एक विडिओ के द्वारा दिखाया गया कि 2050 तक महासागरों में जलीय जीवों की तुलना में प्लास्टिक अधिक होगा। आशीष जैन ने कहा कि आप अपने कचरे को अलग अलग करके रखें और हमें सुचना दे बिसलेरी इंटरनेशनल लिमिटेड की टीम आपके दरवाजे से उन्हें इकठ्ठा करने आएगी और रीसाइक्लिंग करेगी। इससे प्राकृतिक संसाधनों की मांग भी कम हो जाएगी और जीवन अधिक स्वच्छ हो जाएगा और वातावरण कम कूड़े वाला होगा। अंत में उन्होंने छात्रों को दो चीजें करने का सुझाव दिया कचरे को अलग करना और आसपास में कूड़े को ना फैलाना। इस वेबिनार के आयोजन में डॉ० मंजु कश्यप, डॉ० इंदु त्यागी और डॉ० अनुराध साह ने महत्पूर्ण भूमिका निभाई। एसोसिएट प्रोफेसर प्रवीण भाटिया ने कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस दौरान स्वयंसेवकों में कार्तिक प्रताप सिंह, अशिका निगम, इशिता सिंह, अभिषेक पांडे और अनुज प्रताप सिंह मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

नोएडा LIVE

गलगोटिया विश्वविद्यालय में सेमिनार हुआ

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में नॉलेज पार्क स्थित गलगोटिया कॉलेज के एप्लाइड साइंस विभाग ने 'विश्व पुनर्चक्रण' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में वक्ता के रूप में भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ के संस्थापक आशीष जैन और बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की मधुबाला शर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम समन्वयक डॉ० बिपिन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि देश में प्रतिदिन 25,000 टन प्लास्टिक का उत्पादन किया जा रहा है। जिससे प्लास्टिक प्रदूषण की एक गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

click to zoom out